RAS MAINS TEST SERIES 2018

PAPER –III GENERAL KNOWLEDGE AND GENERAL STUDIES

Unit-II - **POLITICAL**

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित है।

1. राष्ट्रपति की वित्तीय शक्तियों को प्रदर्शित करने वाले कोई दो उदाहरण दीजिए ?

- अनुच्छेद 112 – वार्षिक वित्तीय विवरण को राष्ट्रपति की अनुमति से संसद में रखा जाता हैं।
- अनुच्छेद 109 – धन विधेयक राष्ट्रपति की अनुमति से संसद में रखा जाता हैं।

2. अनुच्छेद – 360 किससे संबंधित हैं ?

उत्तरः–अनुच्छेद 360 देश में वित्तीय संकट व आर्थिक अस्थिरता के वातावरण में मंत्रिपरिषद की सिफारिश पर वित्तीय आपातकाल का प्रावधान करता हैं जिसे एक बार संसदीय अनुमति के पश्चात् 6 महिने की अवधि तक जारी रखा जा सकता हैं।

3. शैडो केबिनेट की अवधारणा स्पष्ट कीजिए ?

उत्तरः–ब्रिटेन की लोकप्रिय अवधारण जिसमें विपक्ष द्वारा एक समानान्तर सरकार का गठन सरकार पर कुशल प्रशासन संचालित करने का दबाव बनाने के उद्देश्य से किया जाता हैं।

4. गठबंधन सरकार के कोई दो लाभ लिखिए ?

- सरकार की तानाशही प्रकृति में कमी आती हैं।
- क्षेत्रीय मुद्दो को राष्ट्रीय स्तर तक पहुचॉने में सहायक होती हैं।

5. निलम्बकारी वीटो से क्या तात्पर्य हैं ?

उत्तरः–निलम्बनकारी वीटो का आशय विधेयक को पुनर्विचार हेतु भेजने से है, इसका उद्देश्य संविधान की मूल भावना के विपरित जल्दबाजी में लिये गये निर्णय पर रोक लगाना हैं।

6. राष्ट्रपति की महाभियोग प्रक्रिया समझाइयें ?

उत्तरः–संविधान का अतिक्रमण करने पर अनुच्छेद 61 में निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर राष्ट्रपति के विरूद्ध महाभियोग लाया जा सकता है। यह प्रस्ताव संकल्प के रूप में संसद के किसी भी सदन में कम से कम एक चौथाई सदस्यों के हस्ताक्षर से 14 दिन की पूर्व सूचना पर लाया जा सकता हैं। एक सदन आरोप लगाता है व दूसरा उसकी जाँच करता है, जहाँ राष्ट्रपति को अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अधिकार हैं। यदि दोनों इस प्रस्ताव को कुल सदस्य संख्या के $^{2}/_{3}$ बहुमत से पारित कर दे तो इसके पारित होने पर पारित होने की तिथि से राष्ट्रपति का पद रिक्त मान लिया जाएगा।

7. अध्यादेश व अधिनियम में अंतर स्पष्ट करें।

अध्यादेश	अधिनियम
i. राष्ट्रपति की विधायी शक्ति के परिणामस्वरूप	**i.** संसदीय प्रक्रिया द्वारा निर्मित स्थायी कानून
ii. अधिकतम अवधि – संसद सत्र प्रारंभ होने के 6 सप्ताह तक।	**ii.** अवधि अनिश्चित (स्थायी)
iii. सत्र न चलने की स्थिति में की गई प्रक्रिया	**iii.** सत्र के दौरान की जाने वाली प्रक्रिया
iv. आकस्मिक/अपरिहार्य मामलों में	**iv.** सामान्य स्थिति में
v. संविधान संशोधन संभव नहीं	**v.** संविधान संशोधन संभव
vi. त्वरित प्रक्रिया	**vi.** लम्बी प्रक्रिया

8. "संसदीय शासन अध्यक्षीय शासन की तुलना में भारत के लिए अधिक उपयुक्त है।" तर्क दीजिए ?

उत्तरः–संसदीय शासन भारत के ब्रिटेन के साथ दीर्घकालीन संवैधानिक संबंधो का परिणाम हैं। संसदीय व्यवस्था के माध्यम से उत्तरदायित्व सुनिश्चित किया जाता है। भारत में अभी भी राजनैतिक शिक्षण-प्रशिक्षण का अभाव है, ऐसे में संसदीय संरचना में शासन का प्रत्येक अंग दूसरे अंग से संबंधित होता हुआ शासन में संतुलन स्थापित करता है। साथ विविधता के कारण उत्पन्न बहुदलीय व्यवस्था को संसदीय व्यवस्था में ही पर्याप्त आधार प्राप्त हो सकता हैं। संसदीय व्यवस्था विगत सात दशकों से राष्ट्र में लोकतंत्र को सफल बनाये हुए है, यद्यपि अध्यक्षीय व्यवस्था होने पर शक्ति पृथक्करण स्पष्ट होता है एवं शीर्ष नेतृत्व सहयोगियों के समर्थन पर निर्भर नहीं करता परन्तु भारत की वर्तमान जननांकीय स्थिति को दृष्टिगोचर रखते हुए संसदीय व्यवस्था अधिक उपयुक्त प्रतीत होती हैं। संसदीय व्यवस्था भारत की सामाजिक-राजनैतिक संस्कृति का अंग है, अतः इसमें नवाचार व प्रक्रियात्मक सुधार की आवश्यकता है न कि विकल्प के रूप में अध्यक्षीय व्यवस्था की।

सारथि एकेडमी